सत्य और सुलह आयोग

सत्य और सुलह आयोग

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से वर्ष 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा एवं जम्मू और कश्मीर में राज्य तथा गैर-राज्य दोनों अभिनेताओं द्वारा मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन को देखने के लिये एक **सत्य और सुलह आयोग (TRC)** स्थापित करने की भी सिफारिश की।

सत्य एवं सुलह आयोग (Truth and Reconciliation Commission- TRC) क्या है?

- **परिचय:**
  - **सत्य और सुलह आयोग** जिसे **'सत्य और न्याय आयोग'** या **'सत्य आयोग'** के रूप में भी जाना जाता है, यह एक सरकारी तंत्र है जो न केवल स्वीकार करता है, बल्कि सरकार या कभी-कभी गैर-राज्य अभिनेताओं द्वारा किये गए गलत कार्यों को भी प्रकट करता है।
- **उद्देश्य:**
  - सत्य आयोग वह है जो चल रही घटनाओं के बजाय अतीत पर केंद्रित है।
  - यह एक समयावधि में घटित घटनाओं के प्रतिरूप की जाँच करता है।
  - आयोग प्रत्यक्ष और व्यापक रूप से प्रभावित आबादी से जुड़ता है तथा उनके अनुभवों के बारे में जानकारी एकत्र करता है;
  - यह एक **अस्थायी निकाय** है, जिसका उद्देश्य अंतिम रिपोर्ट के साथ निष्कर्ष निकालना है।
  - आयोग समीक्षाधीन राज्य द्वारा आधिकारिक तौर पर अधिकृत या सशक्त है।

TRC की स्थापना करने वाले देश:

- दो सबसे प्रसिद्ध और सबसे परिणामी आयोग **दक्षिण अफ्रीका**, **ऑस्ट्रेलिया** और **कनाडा** में स्थापित माने जाते हैं।
- भारत के पड़ोसी देश **श्रीलंका** तथा **नेपाल** द्वारा सत्य आयोग स्थापित किये गए हैं।
- **दक्षिण अफ्रीका** में वर्षों से चली आ रही रंगभेद की कुप्रथा के दौरान हुए **मानवाधिकारों के उल्लंघन की सत्यता** को उजागर करने के उद्देश्य से **वर्ष 1995** में **राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला** की सरकार द्वारा एक **TRC** की स्थापना की गई।

अनुच्छेद 370

- भारतीय संविधान में **अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर** को विशेष दर्जा देता था, जो **भारत, पाकिस्तान व चीन** के बीच एक विवादित क्षेत्र है।
- इसका प्रारूप भारत की **संविधान सभा** के सदस्य **एन. गोपालस्वामी अयंगर** द्वारा तैयार किया गया था तथा वर्ष 1949 में इसे **'अस्थायी उपबंध'** के रूप में संविधान में शामिल किया गया था।
- इसने राज्य को **रक्षा, विदेशी मामलों एवं संचार** के अतिरिक्त अधिकांश मामलों पर **अपना संविधान, ध्वज** व स्वायत्तता बनाए रखने की अनुमति दी।
- यह **विलय पत्र (इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन)** की शर्तों पर आधारित था, जिस पर **वर्ष 1947** में पाकिस्तान के आक्रमण के बाद भारत में शामिल होने के लिये **जम्मू-कश्मीर** के राजा **हरि सिंह** ने हस्ताक्षर किये थे।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370, जिसके साथ हाशिया नोट "जम्मू-कश्मीर राज्य के संबंध में अस्थायी उपबंध" लगा हुआ है, किस सीमा तक अस्थायी है? भारतीय राज-व्यवस्था के संदर्भ में इस उपबंध की भावी संभावनाओं पर चर्चा कीजिये। (2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/truth-and-reconciliation-commission